IOAA 2025 में भारत का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

भारत की राष्ट्रीय टीम ने 15 से 21 अगस्त तक **मुंबई** में आयोजित **18वें** **अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड** **(IOAA) 2025** में चार स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीते।

प्रमुख बिंदु

पदक विजेताओं के बारे में:

- **स्वर्ण पदक विजेता:**
  - आयुष मिश्रा (बंगलूरू)
  - बनीब्रत माजी (दिल्ली)
  - पाणिनि (पटना)
  - अक्षत श्रीवास्तव (कोलकाता)
- **रजत पदक विजेता:**
  - **गुरुग्राम** के **सुमंत गुप्ता ने रजत पदक** जीता।
- **प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताएँ:**
  - इस वर्ष IOAA में विश्व के **288 विद्यार्थियों** ने भाग लिया, जहाँ व्यावहारिक और सैद्धांतिक परीक्षाओं की शृंखला आयोजित की गई।
  - **ईरान ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया** और उसके सभी पाँच प्रतिभागियों ने स्वर्ण पदक जीते।
- **समापन समारोह और पुरस्कार:**
  - IOAA का समापन 21 अगस्त, 2025 को भव्य समारोह के साथ हुआ। इस दौरान कुल 145 पदक प्रदान किये गए, जिनमें 50 स्वर्ण, 44 रजत और 51 कांस्य पदक शामिल थे।
  - **होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट** के कुलपति ने विजेताओं को बधाई दी और उनके वैज्ञानिक उत्कृष्टता के प्रयासों की सराहना की।
  - साथ ही, उन्होंने **खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान** में भारत के बढ़ते निवेशों को भी रेखांकित किया।
- **वैश्विक भागीदारी:**
  - **ऑस्ट्रेलिया** और **हांगकांग** ने इस बार पहली बार सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने रजत पदक जीता जबकि हांगकांग ने भी रजत पदक अर्जित किया।
  - इटली ने तीन कांस्य पदक प्राप्त किये, जो अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षा के प्रति वैश्विक रुचि को दर्शाता है।
- **IOAA के बारे में:**
  - वर्ष **2007** में स्थापित **IOAA** खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में रुचि रखने वाले हाई स्कूल के छात्रों के लिये एक प्रमुख वैश्विक कार्यक्रम है।
  - इस वर्ष इसका आयोजन **होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र** (HBCSE) द्वारा किया गया, जो **टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR)** का एक अंग है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indias-performance-at-ioaa-2025